दैनिक भास्कर

योजना • मप्र में 500 से अधिक कृषि उत्पाद संगठन हैं, ये छोटे किसानों को देते हैं प्रशिक्षण

एफपीओ स्कीम : किसान संगठनों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य, लेकिन फंडिंग के लिए अभी भी बहुत कम विकल्प उपलब्ध

भास्कर संवाददाता | इंदौर

छोटे किसानों को संगठित कर उन्हें सही समय पर धन और परामर्श देने का काम करने वाले कृषि उत्पाद संगठनों (एफपीओ) के लिए जहां एक तरफ सरकार ने कई घोषणाएं की हैं और उनकी संख्या बढ़ाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है, वहीं दूसरी तरफ जरूरत के समय उन्हें धन की उपलब्धता करने के लिए चुनिंदा बैंक या वित्तीय संगठन ही राजी होते हैं। मप्र में आज 500 से अधिक कृषि उत्पाद संगठन सक्रिय हैं, जो छोटे किसानों को संगठन की शक्ति देने के साथ-साथ उन्हें सही परामर्श और समय पर बीज-खाद खरीदने के लिए धन की उपलब्धता भी सुनिश्चित करते हैं, लेकिन इन्हें लोन देने वाली संस्थाएं चुनिंदा ही हैं, जो कि 14-15% ब्याज दर पर उन्हें लोन देती हैं।

4 से 5 हजार FPO ही हैं

एफपीओ को लोन देने वाली एक संस्था किसान धन के वाइस प्रेसिडेंट पंकज कुमार अजमानी ने बताया कि देशभर में चार हजार एफपीओ सक्रिय हैं, जिनकी संख्या इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 10 हजार तक ले जाने का सरकार का उद्देश्य है। हालांकि इन संस्थाओं को सरकार की ओर से वित्तीय सहायता दी जाती है लेकिन बोनी के समय और फसल काटने के समय यदि सही वक्त पर किसान को पैसों का भुगतान न किया जाए तो फसल खराब होने की संभावना होती है, इसीलिए हम इस क्षेत्र में उतरे हैं, यही सुनिश्चित करने के लिए कि किसानों को सही समय पर धन मिले।

यह होते हैं किसान उत्पादक संगठन

एफपीओ कंपनीज एक्ट के तहत गठित किसानों की एक कंपनी होती है, जिसमें प्रत्येक किसान एक शेयर होल्डर के रूप में जुड़ा होता है। एक एफपीओ में औसत 500-2000 किसान जुड़े होते हैं। इस किसानों की कंपनी का एक सीईओ भी होता है। इन्हें 3 लाख से 15 लाख रुपए तक का अनुदान भी प्रदान किया जाता है। मप्र में इंदौर और आसपास के क्षेत्र के कई एफपीओ छोटे स्तर के किसानों की आय बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

हमारे यहां के ग्लूटेन फ्री गेहूं की मांग विदेशों में

खंडवा का एक एफपीओ किसानों को ग्लूटेन फ्री गेहूं उगाने के लिए प्रशिक्षित कर रहा है, जिसकी यूरोपियन और अमेरिका के देशों में बहुत मांग है। इस एफपीओ से 1000 किसान जुड़े हैं। इसी तरह अगर मालवा का 4500 किसान सदस्यों वाला अवंतिका आत्मनिर्भर फार्मर प्रोड्यूसर मप्र का सबसे बड़ा एफपीओ है। इंदौर के पंचवटी के पास का 1000 किसान सदस्यों का एफपीओ जैविक किसान फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ऑर्गेनिक खेती करने के लिए प्रशिक्षित कर रहा है।